

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी खैरी महुआ (गिरिडीह)

वाक सं० ५५/२०१७
केदार यादव वीरह- वनाम- मयुरा महता वीरह
द्वारा १५५ दं० प्र० सं० के तहत

आदेश फलक

10.8.17

अभिलेख उपस्थापित। प्रश्नगत विवा-
दित भूमि धनवार वाना अन्तर्गत मौजा -
शिरमनडीह खाता न० २२ प्लॉट न० १२, ५८,
३९१, २१३, २५१ एवं ३९५ तथा मौजा-दसरा-
डीह के खाता न० ६३ प्लॉट न० १९१, १९५,
१९६ एवं १९९ उक्त भूमि के संदर्भ में दोनों
पक्षों के विद्वान अधिवक्ता को सुना एवं
अभिलेख का अवलोकन किया।

प्रथम पक्ष के ओर से कदना है कि
प्रश्नगत भूमि का दायेंदार प्रथम पक्ष भी है।
दूसरी ओर द्वितीय पक्ष का कदना
है कि प्रश्नगत भूमि पर द्वितीय पक्ष पूर्व
से देखलकार चले आ रहे हैं। उक्त
संदर्भ में उनके द्वारा केवाला एवं रसीद
की धाया प्रतिभों दायेंदल किया गया है।

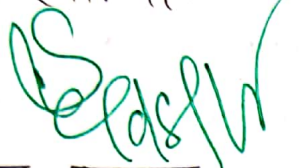
प्रथम पक्ष के द्वारा भूमि देखल
के संबंध में कोई तथ्य प्रस्तुत नहीं किया
गया।

वाना प्रभारी धनवार के द्वारा प्रश्न-
गत भूमि पर दोनों पक्षों के बीच द्वारा
१५५ दं० प्र० सं० के तहत कार्यवाची नहीं
करने का अनुमंशा किया गया है।
इसलिए बांति भंग होने की संभावना की

P.T.O.

पुष्टि नहीं होती है। इसलिए निषेधाज्ञा
लगाए का कोई मतलब नहीं है। वाद
की कार्यवाही समाप्त की जाती है।

लैरवापिस



अनु० दफ्ता०,



अनुमंडल काउन्सिलर,
खोरी महुआ ।